

गणेश जी की महिमा अपार | By Gurmeet , Tripti |

तेरे भक्तों को स्वामी
तेरा ही आधार है
भक्तों गणेश जी की
महिमा अपार है

गौरीपुत्र दयानन्द
कृपा तू कर दे
भक्तों की झोली
स्वामी खुशियों
से भर दे
पाया जो भी दुनिया में
तेरा ही प्रताप है
भक्तों गणेश जी की
महिमा अपार है
तेरे भक्तों को स्वामी
तेरा ही आधार है
भक्तों गणेश जी की
महिमा अपार है

भोले पार्वती के हो
अँखियों के तारे
प्यासी दोनों अँखियाँ
ये तुङ्गको निहारे
महिमा ये तेरी गाता
कुल संसार है
भक्तों गणेश जी की
महिमा अपार है
तेरे भक्तों को स्वामी
तेरा ही आधार है
भक्तों गणेश जी की
महिमा अपार है

नाम जपे जो भी तेरा
पार लगे हैं
देवता भी तेरे
चरणों में खड़े हैं
तेरी महिमा का स्वामी
कोई न बखान है
भक्तों गणेश जी की
महिमा अपार है
तेरे भक्तों को स्वामी
तेरा ही आधार है
भक्तों गणेश जी की
महिमा अपार है

मेरे मन की भी सारी
शंका मिटी है

भरपूर मुझको ये
खुशियाँ मिली हैं
मेरी ज़िन्दगी में स्वामी
छाई अब बहार है
भक्तों गणेश जी की
महिमा अपार है
तेरे भक्तों को स्वामी
तेरा ही आधार है
भक्तों गणेश जी की
महिमा अपार है

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%97%e0%a4%a3%e0%a5%87%e0%a4%b6-%e0%a4%9c%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%ae%e0%a4%b9%e0%a4%bf%e0%a4%ae%e0%a4%be-%e0%a4%85%e0%a4%aa%e0%a4%be%e0%a4%b0-by-gurmeet-tripti/>